VISION IAS

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2087)

Name of Candidate	BHANU PRATAP SINGH		
Medium Eng./Hindi	HINDI	Registration Number	440668
Center	Online	Date 30/08/23	

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बीस प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?

Recommended	Strongly Recommended

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp. Punjab & Sind Bank), Dr. Mukherjee Nagar, Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. भारत में पशुपालन में महिलाएं किस प्रकार योगदान देती हैं? भारत में पशुधन क्षेत्रक में महिलाओं को वर्तमान में किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है?

How do women contribute to livestock rearing in India? What are the issues currently faced by women in the livestock sector in India? (Answer in 150 words) 10

वर्तमान में भारत में कृषि नारीकरण हो रहा है।

पशुपालन
→ कृषि GDP में 25% योगदान
→ 2/3 कृषकों की आय का मुख्य स्रोत
→ 55% भूमिहीन कृषक → पशुपालन से मुख्य आय।

महिलाओं का योगदान :

① 1/3 से अधिक पशुपालन में महिला नेतृत्वकर्ता (कृषि जनगणना)

② महिलाएँ कृषि में भागीदारी के साथ पशुपालन के रूप में कार्य करती हैं।

③ अन्य योगदान
- → चारा संग्रहण
- → पशुओं की देखरेख य: चारा देना, दूध निकालना
- → पशु (24×7) देखभाल मांगते हैं — महिलाओं की प्रमुख भागीदारी
- → पशु चराने में भूमिका य: बकरी, भेड़, गाय आदि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

महिलाओं के समक्ष चुनौतियाँ

① विशेषज्ञता की कमी : पशुपालन कौशल का अभाव।

② असंगठित क्षेत्र : महिलाएँ मात्र पुरुषों की सहयोगी रूप में → अधिकांश के पास 3-5 पशु।

③ पूंजी की कमी - निवेश बढ़ाने, उन्नतशील पशु प्रजाति खरीदने हेतु।

④ सरकारी योजनाओं में महिलाओं पर फोकस नहीं।

वस्तुतः SHGs की पशु सखी से महिला कृषकों को कौशल देना, लोन देना, महिला विशेष योजनाएँ बनाना, डेयरी सेक्टर में महिलाओं हेतु सुविधाएँ बढ़ाना, पशुपालन का औपचारीकरण व पशु FPOs निर्माण करना, उत्पादन, उत्पादक पशुओं की रोग समस्याओं को हटाना आदि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. वन नेशन वन राशन कार्ड (ONORC) योजना कैसे और किस सीमा तक प्रवासी मजदूरों, शहरी गरीबों और दिहाड़ी मजदूरों के लिए उल्लेखनीय संभावित लाभ प्रदान कर सकती है?

How and to what extent can the One Nation One Ration Card (ONORC) scheme provide significant potential benefits for migrant labourers, urban poor, and daily wagers? (Answer in 150 words) 10

NFSA-2013 के तहत प्राप्त राशन को वन नेशन वनराशन कार्ड के तहत पूरे भारत में एक समान लाभ अंतरण के लिए लाया गया है।

प्रवासी मज़दूरों शहरी गरीबों आदि को हुए लाभ

- आय बचत में वृद्धि ⇓ अन्य जगह जाने को अधिक बचत
- कार्यस्थल पर ही राशन लेना संभव हुआ
- खाद्यान्न महंगाई (बड़े शहरों) में बचने में सहायता
- शहरी गरीबी, प्रवासी गरीबी हटाने में सहायक
- पूरे देश में पोर्टेबिलिटी आसान
- केवल आधार कार्ड से राशन लेना संभव

यद्यपि इसकी कुछ सीमाएँ भी हैं।

(1) लाभार्थी पहचान : महत्वपूर्ण डाटा की कमी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) बायोमिट्रिक समस्याएँ: मजदूरों के बायोमिट्रिक मिलान में समस्याएँ → राशन नहीं मिलता।
↓
जबकि स्थानीय राशन दुकानदार पहचान
⇓
आसानी से संभव।

(ii) विपथन: दुकानदार → कम राशन देते हैं।
यहाँ यह बोलना की केवल इतना ही आया है इस महीने।

आगे की राह:
→ सभी राज्यों में पोर्टेबिलिटी बढ़ाना।
→ बायोमिट्रिक के साथ OTP सिस्टम लाना।
→ SMS से पहले ही बताना कि कितना राशन इस महीने मिलेगा।
→ आधार कार्ड, पहचान पत्र संबंधी समस्याओं का निराकरण (eg: ई-श्रम पोर्टल के द्वारा)

समग्रतः प्रवासी मजदूरों, दिहाड़ी मजदूरों की खाद्य समस्याएँ दूर कर गरीबी कम की जा सकती है।
भारत में गरीब - 16.3% (UNDP) जबकि भारत में कुल आय का 50% तक खाद्य में व्यय।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. जलवायु परिवर्तन ने भारत में कृषि उत्पादन और उत्पादकता को कैसे प्रभावित किया है? क्या आपको लगता है कि जलवायु स्मार्ट जल बचत कृषि-प्रौद्योगिकियां समय की मांग बन गई हैं?

How has climate change affected agricultural production and productivity in India? Do you think climate smart water saving agri-technologies have become the need of the hour? (Answer in 150 words) 10

IPCC 6th ARC के अनुसार जलवायु परिवर्तन से कृषि उत्पादकता में 40% तक गिरावट आ सकती है। WMO → वैश्विक तापमान 1.13°C बढ़ चुका है। →

द्वारा जलवायु परिवर्तन का भारतीय कृषि पर प्रभाव

कृषि उत्पादन पर

(i) - चरम मौसमी घटनाएँ - भारत की 50% से अधिक कृषि सिंचित

(ii) फसलों को नुकसान → हीट वेव, कोल्ड वेव, अत्यधिक वर्षा, सूखा
ex: (UP में नदियों की वर्षा से गेहूं फसल को नुकसान)

(iii) समग्रता! कृषि उत्पादन पर प्रभाव पड़ा है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) **उत्पादकता पर**
(i) प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में कमी
(ii) (2022 में उत्तर भारत में गेहूँ उत्पादन में भारी कमी आयी)
(iii) फसल का दाना कमज़ोर होना
⇓
पौधा पतला, कमज़ोर व अस्वस्थ होना

जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियाँ
- स्प्रिंकल व ड्रिप सिंचाई
- जॉली कृषि
- मोटे अनाज की कृषि
- हल्बाकल्चर
- संरक्षण कृषि तथा आर्गेनिक कृषि
- एकीकृत नीर प्रबंधन तथा प्रौद्योगिकी (सरकार) प्रयोग।

भारतीय कृषि विविधता (20 कृषि क्लाइमेट ज़ोन तथा भिन्न उत्पादन इत्यादि को देखते हुए वर्तमान में जलवायु स्मार्ट कृषि प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता है। भारत I2U2 में इज़राइल व UAE से इस संबंध में सहयोग कर रहा है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. संधारणीय फसल उत्पादन के लिए नैनो-उर्वरकों के आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ क्या हैं? भारतीय किसानों द्वारा नैनो-उर्वरकों को अपनाने में आने वाली समस्याओं का उल्लेख कीजिए।
What are the economic and environmental benefits of nanofertilizers for sustainable crop production? State the concerns in the adoption of nanofertilizers by Indian farmers. (Answer in 150 words) 10

नैनो उर्वरक यूरिया का लिक्विड रूप है जिसमे यूरिया की नैनो संरचनात्मक उपस्थिति इसे संधारणीय कृषि हेतु महत्वपूर्ण बनाती है। गुजरात व बरेली में नैनो यूरिया उत्पादक संयंत्र खोले गये हैं।

आर्थिक लाभ
① परंपरागत यूरिया से सस्ती
② कम आवश्यकता → परंपरागत यूरिया की तुलना में।
③ अधिक प्रभावी → पौधों द्वारा बेहतर अवशोषण, यूरिया का मेल में कम हानि
↳ पत्तों से भी अवशोषण योग्य
④ अधिक उत्पादक क्षमता।

पर्यावरणीय लाभ
① भूमि प्रदूषण रोकने में सहायक - वर्तमान उपयोग NPK 8:3:1, आवश्यक 4:2:1

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② पर्यावरण हितैषी : ये नैनो यूरिया का हाए, व पुनः प्रक्रिया धीमी → अधिकांश अवशोषण पौधों द्वारा

③ आसपास के वातावरण पर कम प्रभाव।

④ इसके मानव स्वास्थ्य, कृषि कीटों और पारंपरिक यूरिया की तुलना में कम प्रभाव।

प्रयोग में समस्याएँ

- कृषकों में जागरूकता का अभाव
- उपयोग प्रक्रिया → नैनो यूरिया का छिड़काव स्प्रे रूप में आवश्यक।
- अनुपात समझने में कठिनाई → कितना प्रयोग हो।
- अन्य उर्वरकों यथा Zn सल्फर आदि का प्रयोग में समस्या

वस्तुतः नैनो यूरिया को में Zinc, सल्फर आदि को शामिल कर नए उर्वरक का निर्माण करना, कृषकों में पंचायतों, FPOs, व SHGs की सहायता से जागरूकता निर्माण करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. देश के सभी हिस्सों में प्राकृतिक गैस के पर्याप्त और समान वितरण की उपलब्धता एक समान आर्थिक एवं सामाजिक प्रगति हासिल करने में कैसे मदद कर सकती है? इस संदर्भ में भारत को किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है?

How can the availability of adequate and equitable distribution of natural gas in all parts of the country help in achieving uniform economic and social progress? What challenges India faces in this regard? (Answer in 150 words) 10

प्राकृतिक गैस का प्रयोग वाहन ईंधन तथा घरेलू खाना पकाने के ईंधन के प्रयोग में होता है.

भारत में समान वितरण, उपलब्धता से सामाजिक

आर्थिक विकास में मदद

① यह कम CO_2 उत्सर्जक वाहनों का विस्तार पूरे भारत में करेगी

② प्राकृतिक गैस अन्य ईंधनों की तुलना में सस्ती है → धन बचत → अन्य डोमेन में बढ़ी माँग

स्थानीय विकास ← आर्थिक चक्र में वृद्धि ←

③ बिमारियों में कमी : पारम्परिक चूल्हों → फेफड़ों की बीमारी
↓
आर्थिक लागत

CNG उपलब्ध → स्वच्छ ईंधन → कम कीमती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत के समक्ष चुनौतियाँ

(1) भौगोलिक बाधाएँ : पहाड़ी व दूर दराज क्षेत्रों में पाइपलाइन बिछाना कठिन।

(2) पूँजीगत बाधाएँ : CNG क्षेत्र में निजी निवेश की भारी कमी।

(3) अवसंरचनात्मक निर्माण की ऊँची लागत
→ विशाल देश → बड़े नेटवर्क की आवश्यकता।

(4) तकनीकी जटिलताएँ : बेहतर प्रौद्योगिकी आवश्यकताएँ।

वस्तुतः CNG का सम्पूर्ण भारत में विस्तृत प्रभावी रूप से पहुँचाना, नवीन पाइपलाइन बिछाना व पुरानी का विस्तार करना, PPP सहयोग करके इसे नेशनल गैस ग्रिड पाइपलाइन व PM गति शक्ति योजना से जोड़ना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. भारत में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष के कारणों की व्याख्या कीजिए। मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों पर चर्चा कीजिए।

Explain the reasons behind increasing human-wildlife conflict in India. Discuss the measures taken by the Government to mitigate the human-wildlife conflict. (Answer in 150 words) 10

मानव वन्य जीव संघर्ष मानव व जीवों के मध्य सभी प्रकार से टकराव शामिल किए जाते हैं। CAG की रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न प्रयासों के बावजूद मानव पशु संघर्ष बढ़े हैं।

भारत में कारण

① वन्यजीवों की विशाल आबादी
- सभी एशियाई शेर।
- 70% बाघ
- 75% एक सींग वाले गैंडा
- एशियाई हाथियों की बड़ी आबादी
- जंगली भैंसा ढोल आदि की बड़ी आबादी

② संरक्षण क्षेत्रों के बाहर आवास:

CAG रिपोर्ट
- 1/3 बाघ संरक्षित क्षेत्रों के बाहर
- 3/4 हाथी संरक्षित क्षेत्रों के बाहर
- 100% ढोल व भेड़िया संरक्षित क्षेत्रों के बाहर
- % हिम [illegible] से बाहर

③ मानव आवास: जैसे: केरल में संरक्षित आवासों के 100m दायरे में ही मानव अधिवास (?)

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ जनजातियों व ग्रामीणों के संरक्षित क्षेत्रों में अधिकार व छोटा

(4) जागरूकता, ट्रेनिंग की कमी

कम करने के सरकारी प्रयास :

(1) कानून निर्माण : → वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972
↳ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986
↳ ESZ (इको सेंसिटिव जोन निर्माण)
↙ मानव गतिविधियों का विनियमन।

(2) NTCA : टाइगर क्षेत्रों में विनियमन।

(3) जागरूकता कैंपेन - UNEP व WWF आदि के सहयोग से।

(4) वायो फेंसिंग का प्रयोग eg: ऊँची, घास, मधुमक्खी पालन से हाथियों को रोकना

वन्य: सामुदायिक जागरूकता व सहयोग करना प्राकृतिक हल ढूंढना (eg: मधुमक्खी vs हाथी) तथा वैश्विक सहयोग करना इत्यादि उपाय करने चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. भारत में बढ़ते शहरीकरण और ध्वनि प्रदूषण के बीच संबंधों पर चर्चा कीजिए। मानव स्वास्थ्य पर ध्वनि प्रदूषण के प्रभावों का वर्णन कीजिए।

Discuss the linkages between growing urbanization and noise pollution in India. Describe the effects of noise pollution on human health. (Answer in 150 words) 10

(जनगणना 2011) भारत की 31% आबादी शहरों में है जो 2030 तक 40%, 2050 तक 60% तक हो जाएगी। इससे ध्वनि प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है।

शहरीकरण व ध्वनि प्रदूषण : संबंध

① यातायात : शहरों में 24×7 यातायात की सक्रियता → ध्वनि प्रदूषण।

② उद्योगों से उत्पन्न ध्वनि प्रदूषण।

③ अत्यधिक सघन आबादी → ध्वनियों का प्रभाव अधिक

④ अनियमित शहरीकरण : वृक्ष कटना
⇓
शहरों में बढ़ा ध्वनि प्रदूषण। ⟸ वृक्ष ध्वनि अवशोषक

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव

मानसिक तनाव
- चिड़चिड़ापन
- नींद में समस्या।
- एकाग्रता की कमी।

मानसिक बीमारी
- शारीरिक बीमारियों की जड़
- eg: हृदय रोग, डायबिटीज

दीर्घकालिक संबंधों में प्रभाव

सरकार के उपाय

(1) वायु प्रदूषण रोकथाम अधिनियम-1974

ध्वनि प्रदूषण मानकों का निर्धारण :

(2) उद्योगों की ध्वनि प्रदूषण मानक निर्धारण।

वस्तुतः कानून का सही अनुपालन करना, सिंगापुर लंदन की अच्छी अनुभव लागू करना, जन जागरूकता निर्माण व वृक्षारोपण करना, शहरी विनियमन ध्वनि प्रदूषण रहित शहरों का निर्माण करना, पुरी बस्तियों की स्थापना आदि।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. भारतीय अंतरिक्ष नीति, 2023 भारत में एक सशक्त, नवाचारी और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष पारितंत्र के विकास के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कैसे कार्य कर सकती है?

How can the Indian Space Policy, 2023 act as a catalyst for the development of a robust, innovative and globally competitive space ecosystem in India? (Answer in 150 words) 10

वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 2% है। इसकी अंतरिक्ष GDP 10BUSD है जो 2023 तक 60 BUSD हो जाएगी। इसलिए अंतरिक्ष नीति 2023 द्वारा एक सशक्त, नवाचारी, प्रतिस्पर्धी अंतरिक्ष पारितन्त्र निर्माण के उत्प्रेरक बनने की क्षमता है।

प्रमुख प्रावधान

① प्रमुख संगठनों की व्यापक व्याख्या → इसरो, InSpace, NSIL, राष्ट्रीय कार्पोरेशन, निजी क्षेत्र

② विनियामकों का निर्धारण

InSpace → निजी क्षेत्र का स्वतंत्र, स्वायत्त सरकारी विनियामक।

NSIL → इसरो अनुसंधान का व्यावसायीकरण की एजेंसी।

③ R&D पर फोकस : PPP भागीदारी पर ध्यान
→ EoDB तथा एकल खिड़की अनुमोदन

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

व्यवस्थाओं की स्थापना के प्रयास।

(4) निवेश, डाटा साझाकरण संबंधी प्रावधान
ध: इसरो के आंकड़े, मैप आदि का निजी क्षेत्र
को उपलब्धता।

(5) भविष्योन्मुखी लक्ष्य: भारत को वैश्विक अंतरिक्ष शक्ति बनाना
आत्मनिर्भरता बढ़ाकर → प्रमुख सेवा प्रदाता बनना।

वस्तुतः नई अंतरिक्ष नीति भारतीय अंतरिक्ष नियामक व्यवस्था में सुधारों की संचालक होने के साथ अंतरिक्ष व्यवसायीकरण, नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास व निजी क्षेत्र के विकास में योगदान करेगी

9. स्पेशल फ्रंटियर फोर्स के अधिदेश पर चर्चा कीजिए। भारत की सुरक्षा सुनिश्चित करने में इसकी क्या उपलब्धियां रही हैं?

Discuss the mandate of the Special Frontier Force. What have been its achievements in ensuring the security of India? (Answer in 150 words) 10

स्पेशल फ्रंटियर फोर्स RAW की एक सहायक नियंत्रण में रहने वाली एजेंसी है।

अधिदेश :
- खुफिया सूचनाएँ जुटाना
- मिशनों को अंजाम देना
- भारतीय सुरक्षा में योगदान देना।
- युद्ध आदि में भारतीय सेना का सहयोग देना

भारतीय सुरक्षा में उपलब्धियाँ :

① 1971 : पाकिस्तान युद्ध में पूर्वोत्तर की सुरक्षा तथा पाकिस्तानी सेना से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका

② चीनी प्रतिरोध के खिलाफ कार्य :: तिब्बत में चीनी गतिविधियों पर नज़र रखना, तिब्बती

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों को प्रो-चीनी होने से रोकना।

(3) 1999 : कारगिल युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका
भारतीय सेना को महत्वपूर्ण सूचनाएँ उपलब्ध करायी।

(4) गलवान घाटी घटना : फिंगर कैप्चरिंग में भूमिका, चीनी सेना की गतिविधियों पर नज़र।

(5) आंतरिक सुरक्षा में : पूर्वोत्तर में उग्रवाद से निपटने में सहायक, J&K में पाकिस्तानी
↳ गतिविधियों पर नज़र रखने में।
↳ पाकिस्तान में जाकर आतंकियों का खबर रखने में।

समापन: SFF भारतीय सुरक्षा ढाँचे का मूल आधार है इसके जवान अपनी जान दाँव पर लगाकर भारतीय हितों की रक्षा करते है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत के रणनीतिक और आर्थिक हितों की सुरक्षा का मूलभूत आधार क्यों माना जाता है? इस संदर्भ में समुद्री जलदस्युता रोधी अधिनियम (मेरीटाइम एंटी-पायरेसी एक्ट) का क्या महत्व है?

Why is ensuring maritime security considered the key to safeguarding India's strategic and economic well-being? What is the significance of the Maritime Anti-Piracy Act in this regard? (Answer in 150 words) 10

भारत की भू-भौगोलिक अवस्थिति, पड़ोसी अस्थिरता तथा 7500Km की तटरेखा तथा IOR में महत्वपूर्ण उपस्थिति इसकी समुद्री सुरक्षा आवश्यकताएँ बढ़ा देती है

① रणनीतिक हित व समुद्री सुरक्षा

↳ महत्वपूर्ण चोक प्वाइंट्स यथा: मलक्का, होर्मुज, बाब अल मण्डाब।

↳ चीन की बढ़ती उपस्थिति यथा: हम्बनटोटा, ग्वादर तथा जिबूती

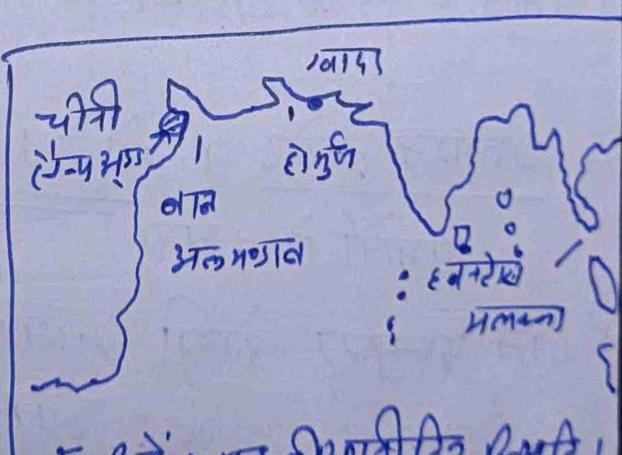

IOR में भारत की रणनीतिक स्थिति।

↳ महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग। 4/5 वैश्विक व्यापार IOR से।

↳ भारत की भूरणनीतिक अवधारणाएँ यथा: सागर विज़न → नेट सुरक्षा प्रदाता, हिन्द प्रशांत रणनीति, 'इंडियन फर्स्ट रिस्पॉण्डर'

③ आर्थिक आधार → ब्लू इकॉनमी लक्ष्य।
↳ अण्डमान में ट्रांजिशिपमेंट पोर्ट स्थापना।
↳ 90% व्यापार समुद्र से (भारत का)
↳ ऊर्जा आयात का बड़ा भाग समुद्र से।
↳ मत्स्य 6000 मिलियन व पॉली मेटैलिक नाड्यूल्स
↳ निम्सटेक के साथ बंगाल की खाड़ी की समृद्धि की दृष्टि

जल दस्युता रोधी अधिनियम
का महत्व : → पड़ोसी से व्यापक सहयोग की बढ़त।
↳ रनोडन क्रेसेंट व गोल्डन ट्रैंगल के नकारात्मक प्रभावों से बचना।
↳ जल दस्युता रोधी अभियान बढ़ाना
eg: सोमालियन लुटेरों के विरुद्ध UAE संग

वस्तु! नेवी का मॉडर्नाइजेशन, गगन सैटेलाइट सिस्टम का उपयोग, सैन्य पहुँच बढ़ाना, अंडमान मिलिटराइजेशन को पूर्ण करना तथा USA से सी गार्डियन ड्रोन खरीदना इत्यादि उपाय अपेक्षित

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. 2023-24 के बजट में सूचीबद्ध सात प्राथमिकता वाले क्षेत्र (सप्तर्षि) कौन-से हैं? उनसे किस प्रकार भारत में समावेशी विकास को बढ़ावा देने की अपेक्षा की गई है?

What are the seven priority areas (the Saptarishis) listed in the Budget of 2023-24? How are they expected to promote inclusive development in India? (Answer in 250 words) 15

बजट 2023-24 के बजट को भविष्य के भारत के निर्माण हेतु सात आयाम देना इन्हे सप्तऋषि का नाम दिया गया है।

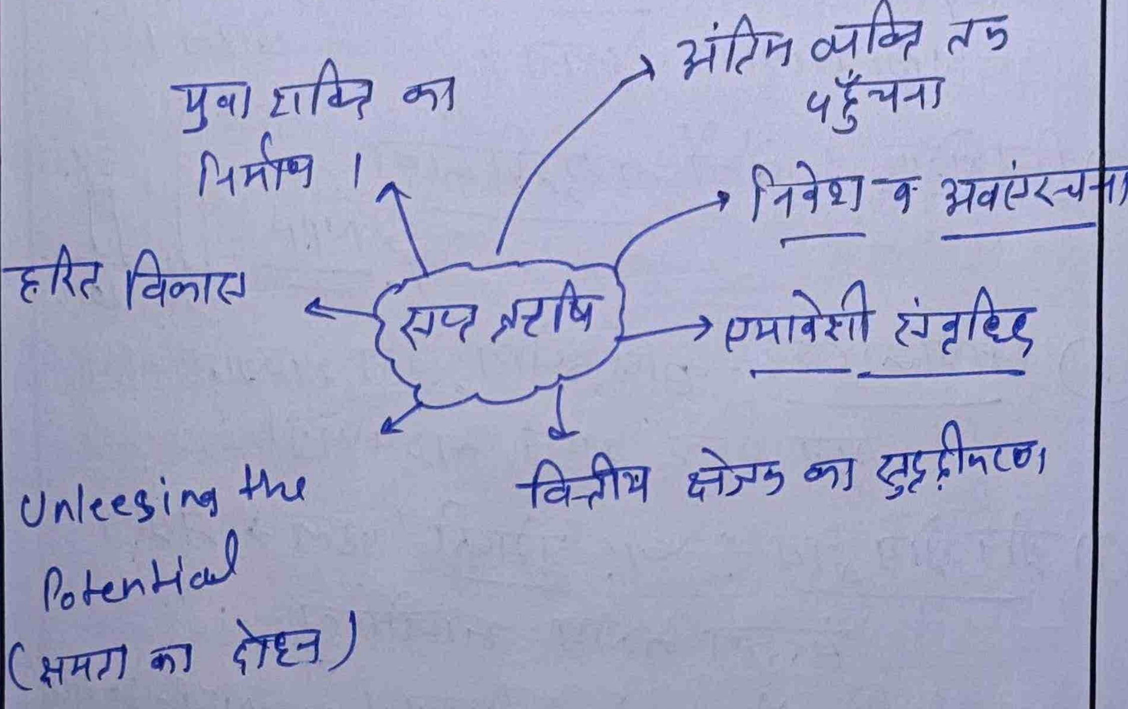

समावेशी विकास में बढ़ावा देने की अपेक्षा

① अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं व विकास को पहुँचाना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) निवेश व अवसंरचना : पूंजीगत व्यय बढ़ाना
↓
रेलवे को 2,40 लाख करोड़ पूंजीगत व्यय हेतु।

eg:

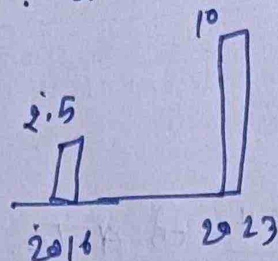

लाख करोड़।

(3) समावेशी संवृद्धि : सभी के लिए प्रयास। eg: JAM, DBT का प्रयोग, E-श्रम पोर्टल।
↳ अन्न कल्याण योजना

(4) वित्त क्षेत्र : बैंकों का सुदृढ़ीकरण
eg: NPA

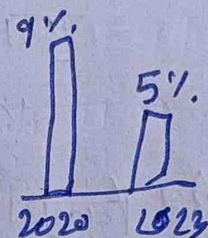

(5) क्षमता का दोहन : कृषि, उद्योग, सेवा क्षेत्र, युवा शक्ति आदि का उपयोग

(6) ग्रीन ग्रोथ द्वारा : eg: मिष्टी पहल → मैंग्रोव संरक्षण के साथ आजीविका

(7) युवा शक्ति : कौशल व व्यावसायीकरण। eg: NEP-2020

बजट प्रावधानों का प्रभावी रूप में लागू करना, क्षमताओं का विकास तथा पूंजीगत वृद्धि के साथ राजकोषीय सुचिता समावेशी विकास का आधार बनेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

हालांकि इन तथ्यों में निम्न चुनौतियाँ भी-

① बढ़ता राजकोषीय घाटा -

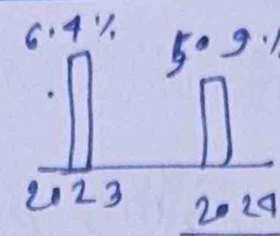

↓
राज्यों पर कर-GDP
अनुपात - 29% - FRBM Act

↳ राजकोषीय घाटा 3%
↳ राज्यों का कर GDP अनुपात 20% हो।

② वैश्विक मंदी व चीनी अर्थव्यवस्था में कमज़ोरी

↳ वैश्विक व्यापार में कमी → भारत में निवेश में कमी

③ श्रम संबंधी: 44% कर्मी अनौपचारिक
केवल 6% औपचारिक कुशल।

↓

PLFS - 43% कृषि में, 15-29 आयु वर्ग में बेरोज़गारी 13-15%

वस्तुतः भारतीय व्यापार का दोहन, बेहतर पूंजीगत खर्च, कृषि सेक्टर को प्रोत्साहन इत्यादि उपाय करने चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. ब्लॉकचेन तकनीक भारत में भूमि रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की दिशा में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है?

How can blockchain technology play a pivotal role towards digitization of land records in India? (Answer in 250 words) 15

ब्लॉकचेन तकनीकि एक डिजिटल 'सार्वजनिक बही खाता' तकनीकि है जिसमें प्रत्येक ट्रांजैक्शन रिकार्ड होता है तथा यह 'छेड़छाड़ रहित' व स्थायी सुरक्षित व विश्वसनीय है।

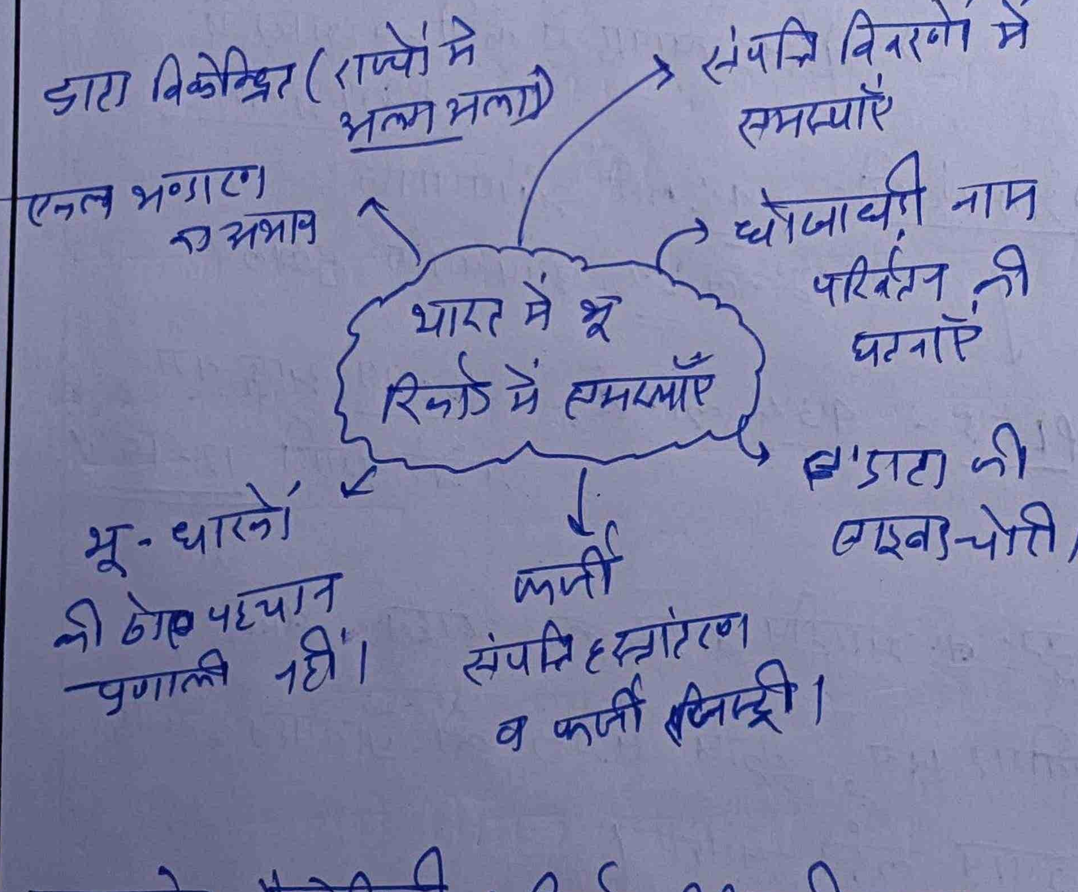

ब्लाकचेन प्रौद्योगिकी भू रिकार्ड डिजिटलीकरण

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

① डाटा की छेड़छाड़ रहित रखरखाव : भूमि/कर्जी मुकदमेबाजी में कमी आएगी

② एकल व ठोस पहचान के साथ डाटा संग्रहण
↳ लाभार्थी पहचान तथा कानूनी कार्यप्रणाली आसान होगी

③ भू अधिग्रहण में सहूलियत : आसान डाटा पहुँच
↳ EODB - में सहूलियत
↳ अवसंरचनात्मक परियोजनाओं में तीव्रता।

④ भूमि रिकॉर्ड के डिजिटल अभिलेख उपलब्धता आसान होगी

भू रिकॉर्ड डिजिटलीकरण के सरकारी प्रयास

① राष्ट्रीय भू डिजिटलीकरण योजना
↳ भू रिकॉर्डों का डिजिटल डेटा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ स्वामित्व योजना → खतौनी की भाँति घरौनी जारी करना → मालिकाना हक पहचान आसान।

④ राज्यों की विभिन्न योजनाएँ . .

आगे की राह :

↳ भू डिजिटलीकरण प्रणाली में तीव्रता लाना।

↳ भू अभिलेखों को पैन कार्ड, आधार कार्ड से लिंक करना

↳ सभी भूलेखों की राष्ट्रीय रजिस्ट्री रखना।

↳ भू-हस्तांतरणों का तत्काल डिजिटल द्वारा उपलब्धता सुनिश्चित करना।

समग्रतः ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी भारत में भू लेखों संबंधी विभिन्न समस्याओं का समाधान कर सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPPs) भारत में कृषि उपज के भंडारण, परिवहन और विपणन को बेहतर बनाने में कितनी सहायक हो सकती है?

How far can public-private partnerships (PPPs) help in improving the storage, transportation, and marketing of agricultural produce in India? (Answer in 250 words) 15

भारत में 320 मिलियन टन से अधिक खाद्यान्न उत्पादन प्रतिवर्ष होता है जिसमें से 10 - 30% विनष्ट हो जाता है ऐसे में सार्वजनिक - निजी भागीदारी भण्डारण, विपणन, परिवहन में को बेहतर बनाने में सहायक हो सकती है।

① निवेश बढ़ाकर : वर्तमान में भण्डारण व्यवस्थाओं की कमी - FCI अपर्याप्त

→ गैर उपयोगी बना रहना

→ खाद्यान्न सड़ना

→ वर्षा में भीगना

निजी क्षेत्र निवेश से भण्डारण सुविधाएँ बढ़ा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② विपणन में → MSP व्यवस्था का भाग
6% कृषकों को लाभ
(शांता कुमार समिति)

↓

निजी क्षेत्र विपणन को व्यावसायिक रूप देना → कृषकों को बेहतर मूल्य
⇓
साहूकारों, स्थानीय व्यापारियों से छुटकारा।

③ परिवहन व्यवस्थाएं : 86% किसान लघु सीमांत
⇓
परिवहन व्यवस्थाओं का अभाव क्षमता की कमी

↓
निजी क्षेत्र
⇓
संगठित क्षेत्र
⇓
बेहतर परिवहन प्रणाली / eg: – सब्जी के लिए कोल्ड चेन परिवहन स्थापना
⇓
बड़े शहरों तक उपज की आसान पहुँच

किसानों को अधिक लाभ ⇐

PPP भागीदारी में उपज के संग्रहण, कोल्ड स्टोरेज, विपणन, परिवहन, निर्यात, बेहतर मूल्य सुनिश्चित करने की संभावनाएँ हैं किंतु कुछ सीमाएँ भी हैं

जैसे ① कृषि: राज्य सूची का विषय
↳ एकल कानूनों की कमी।
↳ अंतरराज्यीय विषमताएँ।

② निवेश: कृषि क्षेत्र में निवेश पर्याप्त आकर्षक नहीं।
↳ सरकार की भारी भरकम सब्सिडी
यः 1.24 लाख करोड़ (बजट 2023)

वस्तुतः एकल कृषि कानूनों का निर्माण, विनियामक सुधार तथा PPP व्यवस्था को प्रोत्साहन देना और कोऑपरेटिव व्यवस्था मज़बूत करना, संग्रहण अवसंरचनाओं को ब्लॉक आधार पर निर्मित करना इत्यादि प्रयास करने चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. सार्वजनिक वितरण प्रणाली में प्रौद्योगिकी के माध्यम से आधुनिकीकरण और सुधार योजना (SMART-PDS) में भारत हेतु खाद्य सुरक्षा से परे जाते हुए वृहद परिवर्तनकारी क्षमता विद्यमान है। विवेचना कीजिए।

The Scheme for Modernization and Reforms through Technology in Public Distribution System (SMART-PDS) has transformative potential beyond food security for India. Discuss. (Answer in 250 words) 15

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के तहत सरकारी सस्ते खाद्यान्न की लाभार्थियों को वितरण किया जाता है।

NFSA-Act-2013 और PDS

- 2/3 भारतीय जनता में कवरेज।
- सस्ता खाद्यान्न वितरण
- वन नेशन वन राशन कार्ड ⇓ राष्ट्रीय पोर्टेबिलिटी
- डिजिटलीकृत लाभार्थी पहचान

प्रौद्योगिकी से आधुनिकीकरण व सुधार योजना से हुए लाभ:

① लीकेज में कमी आयी है: PDS में 40% तक लीकेज (2011-12) (शांता कुमार समिति)

⇓

वर्तमान में यह लीकेज रहित बना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

② आधार आधारित लाभार्थी पहचान

था! बायोमिट्रिक आधारित पहचान।

③ दुकानदारों के भ्रष्टाचार में भी कमी।

④ खाद्यान्न भण्डारण, रखरखाव, ट्रकों की लाइव निगरानी संभव हुयी है।

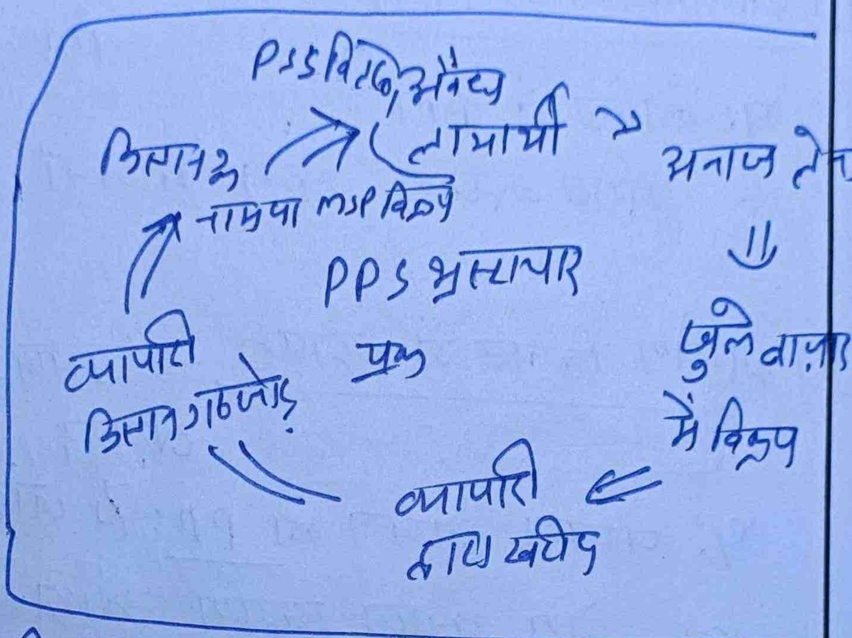

परन्तु! प्रौद्योगिकी प्रयोग से विभिन्न लाभ हुए है इसे निम्न प्रकार और

आगे ले जाया जा सकता है

① अन्य योजनाओं के साथ लिंक करना

था! PM मातृवंदना योजना, किसान सम्मान योजना

(2) लाभार्थी पहचान आसान। eg! एकीकृत आधार आधारित डेटा। → आयुष्मान भारत वृद्धावस्था पेंशन योजना के लिए लाभार्थी पहचान

(3) आपातकाल में लाभ :
eg: कोविड में PM गरीब कल्याण अन्न योजना का लाभ।

(4) ग्रामीण विकास में सहायक → प्रभावशीलता बढ़ाकर
eg! पोषण योजना को PDS से जोड़कर
eg: मोटे अनाज वितरण आदि

वस्तुतः PDS एक क्रांतिकारी व सुशासन को सुनिश्चित करने वाली प्रणाली है यह कल्याणकारी योजनाओं की मूलधार तक पहुँच सुनिश्चित करती है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. समुद्री हीटवेव की उत्पत्ति के लिए उत्तरदायी कारणों की व्याख्या कीजिए। उन तरीकों पर चर्चा कीजिए जिनसे वे समुद्री पारितंत्र को प्रभावित कर सकती हैं और आर्थिक नुकसान पहुंचा सकती हैं।
Explain the causes behind the occurrence of marine heat waves. Discuss the ways in which they can affect the marine ecosystems and cause economic losses. (Answer in 250 words) 15

WMO के अनुसार समुद्री सतह का आकस्मिक रूप से गर्म होना समुद्री हीट वेव कहलाता है।

उत्तरदायी कारक

① ग्लोबल वार्मिंग ; eg: IPCC 6th ARC + WMO

eg: जुलाई 2023 का महीना मानव इतिहास का सर्वाधिक गर्म महीना। वैश्विक तापमान 1.15°C बढ़ चुका है।

eg! भूमध्यसागर का सतही तापमान 29°C पहुंच गया।

② समुद्री धाराएँ : गर्म जल धाराएँ एक जगह का तापमान बढ़ा देती है।

③ भू सतह की गर्म हवाएँ eg: लू, जैसी गर्म हवाएँ समुद्री सतह तापमान को बढ़ाती। eg! बंगाल की खाड़ी का तापमान

④ ज्वालामुखी उत्सर्जन : समुद्री सतह पर प्रभाव
eg: हुंगा टोंगा हुंगा हापाई?

उदा. स्ट्राम्बोली का उद्भेदन।

समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर नुकसान

① सतही जीवों पर : प्लैंकटन (फ्लूप्लैंकटन, जूप्लैंकटन) की मृत्यु।

② सतह पर ऑक्सीजन की कमी → जीवों की मृत्यु।

③ प्रवाल विरंजन :→ की स्टोन प्रजाति
अन्य प्रजातियों पर प्रभाव।

④ मछलियों का स्थानांतरण।

⑤ समुद्र की CO_2 अवशोषण क्षमता में कमी
फलस्वरूप → ग्लोबल वार्मिंग ↑↑

आर्थिक प्रभाव

① मत्स्यन पर प्रभाव → मछली उत्पादों की कमी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ समुद्री पर्यटन में कमी → हीट वेव + कम आनंदेह समुद्री वातावरण → पर्यटन हानि।

④ उत्पादक समुद्री कृषि पर नुकसान:
↳ मेरीकल्चर, शैवाल उत्पादन में कमी आदि।

आगे की राह:→ ग्लोबल वार्मिंग पर सम्मिलित कार्रवाई - INDC की पूर्ति - नेट जीरो लक्ष्यों की प्राप्ति।

→ समुद्री परिवहन को शून्य उत्सर्जन युक्त बनाना।

→ समुद्रों का संरक्षण - UNFCCC का 30×30 लक्ष्य।

निष्कर्ष: समुद्रों का संरक्षण, वैज्ञानिक उपयोग करना, ग्रीन टेक्नोलॉजी प्रयोग बढ़ाना व CO_2 उत्सर्जन में कमी लाना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOFs) के कारणों और प्रभाव की व्याख्या कीजिए। इस संदर्भ में सरकार द्वारा कौन-से उपाय किए गए हैं?

Explain the causes and impact of Glacial Lake Outburst Floods (GLOFs). What are the measures taken by the government in this context? (Answer in 250 words) 15

ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड से तात्पर्य आकस्मिक रूप से ग्लेशियल झीलों का टूटकर गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव से भारी मलबा, पत्थर आदि के साथ पहाड़ों से नीचे उतरते समय भयंकर बाढ़ लाना है। यथा: 2013 केदारनाथ त्रासदी.

कारण
- झीलों की जमने पिघलने की क्रिया के पुनरावर्तन से पत्थरों का टूटना कमज़ोर होना।
- ग्लेशियल झीलों पर ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव → तेजी से पिघलना।
- विवर्तनिक घटनाएँ भूकंप, पर्वतों का उत्थान
- समयकाल → झीलों के पथरीले किनारे पतले होते जाना → और अंत टूटना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

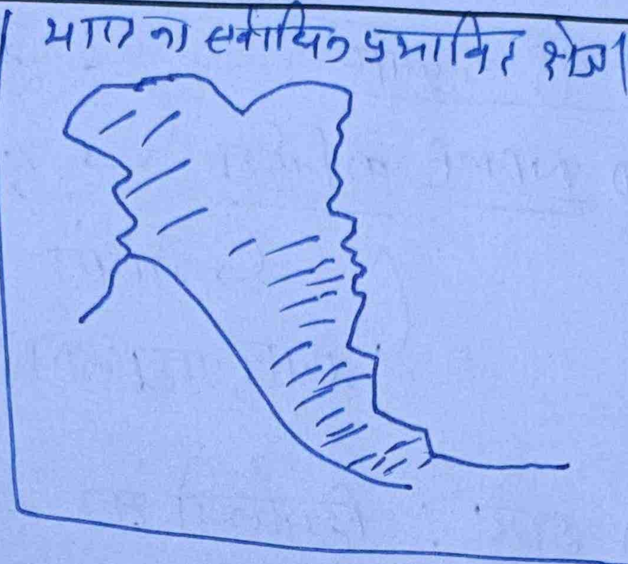

प्रभाव

① पर्यावरणीय :
↳ पर्वतों का टूटना,
↳ वनों की हानि।
↳ जीवों की मृत्यु।
↳ भू आकृति परिवर्तन।
↳ व्यापक जैव विविधता हानि।

② सामाजिक – जन धन हानि eg: हाल में हिमाचल में मकानों का बहना व ढहना।
↙ लोगों की मृत्यु

③ अवसंरचना: सड़कों, पुलों का टूटना।
↳ डिजिटल संपर्क टूटना → मोबाइल टावरों को नुकसान।

④ आर्थिक प्रभाव: फसल, पशुओं की हानि।
↳ पर्यटन को हानि।

⑤ विकासात्मक प्रभाव – विकास कार्य रुकना
↳ विकास कार्यों में अधिक खर्च लगना।

सरकार के प्रयास

① NDMA के निर्देश → पूर्व तैयारी
→ सुभेद्य क्षेत्रों की पहचान
→ मैपिंग
→ बचाव, राहत कार्य तैयारी।

② इसरो : हिमालयी क्षेत्र की ग्लेशियल मैपिंग।

③ पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय व IMD : मानसून, पर्यावरणीय सूचनाओं का प्रमाण।
→ जोखिम पहचान, चेतावनी जारी करना

आगे की राह : → प्रत्येक हिमालयी परियोजना का पर्यावरण प्रभाव असेसमेंट।
→ पर्वतों में इलेक्ट्रिक व EV वाहनों को अनुमति
→ सामुदायिक ग्लेशियल संरक्षण रणनीतियां अपनाना जैसे: लद्दाख का स्थानीय समुदाय की नीति

वस्तुतः संरचनात्मक अवसंरचना निर्माण, सुभेद्य क्षेत्रों में वनावरण तथा अवसंरचना विकास पर रोक लगाना, स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा आदि

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. रेडियोमेट्रिक डेटिंग कैसे काम करती है? इससे जुड़ी सीमाएं क्या हैं? रेडियोमेट्रिक डेटिंग में कैल्शियम-41 का उपयोग करने के संभावित लाभ क्या हैं?

How does radiometric dating work? What are the limitations associated with it? What are the potential advantages of using Calcium-41 in radiometric dating? (Answer in 250 words) 15

रेडियोमेट्रिक तकनीकि का प्रयोग कार्बनिक, चट्टानों तथा जैविक अवशेषों की आयु, निर्धारण कर जानने में किया जाता है।

कार्यप्रणाली → तत्वों के मूल परमाणुओं की अर्धआयु नापकर उनकी दर पर जो पहचानना जिससे वह जैविक इकाई कब जीवित थी यह पता चल जाता है।

सीमाएँ

① जटिल व प्रौद्योगिकी युक्त कार्यप्रणाली

② तत्व की दर पर बाह्य प्रभाव (जलवायु, पर्यावरण, ताप, दाब) का प्रभाव नापने में असफल

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) यह प्रणाली यह मान लेती है कि तत्व का क्षरण एक समान दर से ही हुआ है।

(4) तत्व की बहुत कम मात्रा बचने पर यह प्रणाली सटीक अनुमान नहीं लगा पाती है।

कैलियम-41 के उपयोग के लाभ

(i) अधिक अर्द्धआयु।

(ii) आसान उपलब्धता

(iii) प्रयोग करना, विश्लेषण करना आसान है।

(iv) रेडियोमिट्रिक से अधिक सटीक प्रणाली।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

18. सरकार द्वारा डिजिटल स्वास्थ्य पर बल दिए जाने के बावजूद भारत में ई-फार्मेसी के संदर्भ में चिंता क्यों बढ़ रही है? इस द्वंद्व के समाधान के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए?

Why is there a growing concern over e-pharmacy in India despite the government's push for digital health? What measures are needed to resolve this dichotomy? (Answer in 250 words) 15

भारत में राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य नीति - 2022, ई-संजीवनी, ई-OPD डिजिटल आयुष्मान भारत मिशन के माध्यम से डिजिटल स्वास्थ्य को बढ़ावा दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य डिजिटलीकरण के लाभ

- आसान पहुँच (मोबाइल आधारित)
- दूर दराज क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा पहुँच आसान
- रोग इतिहास का सही डाटा संग्रहण।
- पारदर्शिता व जवाबदेहिता को बढ़ावा।
- कम लागत (गरीबों को लाभ।
- वृद्धों तथा महिला स्वास्थ्य में लाभ।

हालांकि बढ़ती ई-फार्मेसी प्रणाली से निम्न चिंताएँ बढ़ी हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

① बिना डाक्टर अनुमति के दवाएँ
यां Schedule H, X की दवाएँ भी
आसानी से उपलब्ध।

② नकली दवाएँ का विक्रय बढ़ा है।

③ दवा निर्माताओं से अप्रत्यक्ष संबंध → संबंधित
दवा की उपलब्धता व विक्रय बढ़ाना।

④ स्थानीय मेडिकल स्टोरों की आजीविका पर खतरा।

⑤ विनियामक अस्पष्टता → कानूनी परिभाषाएँ
नहीं।
↳ विनियामक ढाँचे का अभाव।

समाधान के उपाय

① राष्ट्रीय मेडिकल कॉउंसिल (NMC) द्वारा
गाइडलाइन्स जारी करना।

② लाइसेन्सीकरण तथा सूची निर्माण।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ डेटा संरक्षण कानून में ई-फार्मेसी को शामिल करना व मरीज को रोग इतिहास की गोपनीयता।

④ दवा उत्पादन कंपनियों से स्वच्छता का गठजोड़।

वस्तुतः बेहतर विनियामक ढाँचा लाना, डाटा संरक्षण व नकली दवाओं पर कार्यवाई करना केन्द्र-राज्य समन्वय तथा डिजिटल स्वास्थ्य को विनियमित रूप से बढ़ावा देना चाहिए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. भारत में वामपंथी उग्रवाद (LWE) में हुई कमी में किन कारकों ने योगदान दिया है? क्या आपको लगता है कि यह कमी निकट भविष्य में LWE की समस्या के संभावित अंत का संकेत देती है?

What factors have contributed to the decline of Left Wing Extremism (LWE) in India? Do you think this decline signifies the likely end of the LWE problem in the near future? (Answer in 250 words) 15

गृह मंत्रालय के अनुसार वामपंथी उग्रवाद में 2015 की तुलना में 70% तक की कमी आयी है।

वामपंथी उग्रवाद माओवादी विचारधारा से समर्पित उग्रवादी, हिंसक, विभाजनकारी आंदोलन है।

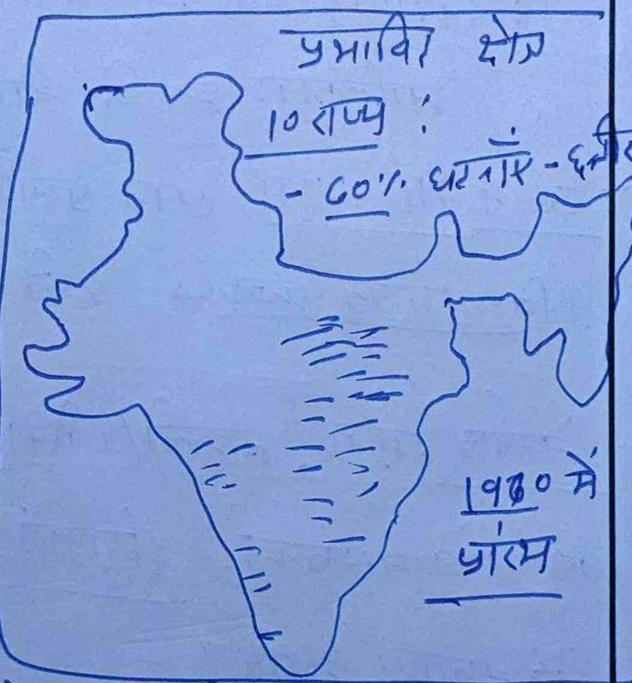

कमी के कारण

① गृह मंत्रालय की SAMADHAN रणनीति -

↳ तीव्र प्रभावशाली सैन्य कार्रवाई, स्मार्ट इनपुट, फण्ड की उपलब्धता, स्पेशल ट्रेनिंग आदि।

② विकास का अंतिम छोर तक पहुँचना

↳ : शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन साधन, इंटरनेट, PDS योजना/

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) लोगों में और असमानता → उग्रवादियों के द्वारा प्रभावों का प्रभाव कम।

(4) राज्यों की प्रभावशाली रणनीति थी। आन्ध्र के ग्रे हाउण्ड कमाण्डो + विकास की रणनीति
↳ आत्मसमर्पण सरेण्डर नीतियाँ - हजारों उग्रवादियों ने सरेण्डर किया।
~~[illegible]~~

(5) पेसा-1996 व FRA-2006 का प्रभावी क्रियान्वयन
↳ स्वशासन तथा संसाधनों पर स्वयं की मालिकाना हक की नीति।

(6) खनन नीति तथा खनन प्रभावित जिलों के विकासात्मक फण्ड → उन्हीं जिलों के विकास में जल्दी।

(7) मेरटिंग रोकना, तस्करी (जीवों, हथियारों, लोगों) को रोकने में सफलता, हथियारों की सप्लाई रोकने में सफलता आदि।

(8) प्रौद्योगिकी प्रयोग → सेटेलाइट इमेजिंग
→ ड्रोन से खोजी अभियान।
↳ नाइट विजन प्रौद्योगिकी आदि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वामपंथी उग्रवाद मिलकर भविष्य (कुद्ध्रयड) में समाप्ति के संकेत देता है यद्यपि इसमें निरन्तर समाधान रहने की आवश्यकता है।

① विदेशी प्रभाव - सिन्हा समिति - अवैध प्रवासियों से उग्रवादी गतिविधियां संचालित किया जाती हैं (विदेशी एजेंसियों द्वारा)

② चीन का पूर्वोत्तर में उग्रवाद भड़काने में प्रभाव।

③ तस्करी, किलीपन रोकने पर - तालिबानी शासन के बाद भारत में तस्करी बढ़ना।

वस्तुतः बहुआयामी रणनीति, प्रभावी सीमा प्रबंधन, प्रौद्योगिकी प्रयोग, आकर्षक सरेंडर नीति, सामुदायिक सहयोग इत्यादि से वामपंथी उग्रवाद से निपटा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. मनी लॉन्ड्रिंग और कर अपराधों के बीच समानताएं तथा तालमेल होने के बावजूद, कर अपराधों से निपटने के लिए एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग (AML) उपायों का प्रयोग राजनीतिक, कानूनी एवं साथ ही परिचालन संबंधी चुनौतियां प्रस्तुत करता है। विवेचना कीजिए।

Despite commonalities and synergies between money laundering and tax crimes, leveraging anti-money laundering (AML) measures for tackling tax crimes presents political, legal as well as operational challenges. Discuss. 15
(Answer in 250 words)

मनी लान्ड्रिंग अवैध धन को वैध धन में बदलने का तरीका है।

कर अपराधों से मनीलान्ड्रिंग समानताएं

- कर अपराध → अवैध धन सृजन → उसे वैध करने के प्रयास → मनी लान्ड्रिंग → कर अपराध

कर अपराधों से निपटने के उपाय

- FEMA-1999
  - PMLA-2000
  - प्रवर्तन निदेशालय (द्वारा प्रवर्तन)
- वित्त मंत्रालय की वित्तीय आसूचना इकाई।
- भ्रष्टाचार के मामलों पर CBI जाँच।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ राज्य पुलिस → विशेष अधिदेशों - न्यायिक आदेशों में जाँच

चुनौतियाँ

① राजनीतिक : (i) जाँच एजेंसियों के राजनीतिक प्रयोग संबंधी आशंकाएँ eg: ED, CBI

(ii) - एजेंसियों पर अधिक नियंत्रण सरकार का → स्वतंत्र निष्पक्ष निकाय नहीं।

② **कानूनी** (i) कानूनी खामियाँ
eg: CBI न तो सांविधिक न ही संवैधानिक।

(ii) ED को अपार कानूनी शक्तियाँ - eg: सम्पत्ति अटैच,
eg: अर्ध न्यायिक शक्तियाँ
eg: जाँच, गिरफ्तारी आदि की

③ परिचालन संबंधी : → भ्रष्टाचार
eg: हालिया ED

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अधिकारियों पर कार्रवाइयाँ।

↳ पर्याप्त संसाधनों का अभाव।

↳ सूचना समन्वय, डाटा एवं क्रिमिनल संबंधी प्रौद्योगिकीय अक्षमताओं का अभाव।

↳ आपसी समन्वय में कमियाँ।

आगे की राह → एकल एवं विनियामक
वित्तीय संवैधानिक संस्था
कोऑर्डिनेशन

↳ ED, CBI आदि का नियंत्रण इसी के पास।

FATF आदि से सहयोग
↳ मनी लॉन्ड्रिंग की वैश्विक प्रवृत्ति पर रोक हेतु।

मनी लॉन्ड्रिंग राष्ट्रवाद का, विकास बाधित करने के साथ ही भ्रष्टाचार, अपराध को बढ़ाता है अतः मनी लॉन्ड्रिंग पर प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

Call us : 8468022022, 9019066066

Visit us : www.visionias.in